



JAIN AHIMSA TIMES

IN COMMUNITY SERVICE FOR 14 CONTINUOUS YEARS
THE ONLY JAIN E-MAGAZINE • WORLD OVER + 100000 READERSHIP



परस्त्रीपयते जीवानाम्

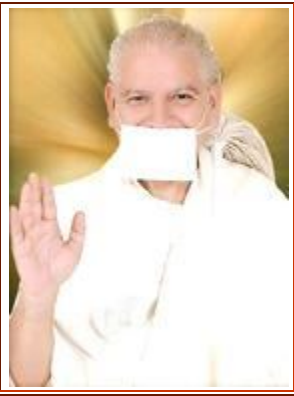
Volume : 130

Issue No. : 130

Month : May, 2011

**If you want others to be happy, practice compassion.
If you want to be happy, practice compassion.
There is no need for temples; no need for complicated philosophy...
Our own heart is our temple; the philosophy is kindness.
H. H. The Dalai Lama**

MESSAGE FROM ACHARYA DR. SHIVMUNI FOR ALL JAIN SHRAVAKS



Compassion, Fraternity, live and let live and Non violence are some of the main principles of Jainism. These doctrines of Jainism were fully and wholly heartedly adopted by the great freedom fighter and father of nation Sh. Mohan Das Karam Chand Gandhi. Walking on the strong foundation of these principles Mahatma Gandhi got India free from the cruel clutches of foreign rulers. But, after independence the ideology of India has been changed drastically. The principle of non violence made totally oblivious by greedy, selfish and self centered leaders of today. Accordingly to earn foreign currency the UP Govt. has decided to open 15 modern slaughter houses to slaughter 10000 cattle in each slaughter house per day. This decision is totally unbearable for the peace, loving, worshiper of non violence and the followers of Lord Mahavira who propounded the principles of Jain ethics. Against the decision of UP Govt. a movement was started led by Jain saint Sh Maitry Prabh Sagar Ji Maharaj. UP Govt. tried to crush this movement mercilessly.

Being the Acharya of Vardhman Shwetambar Sthanakwasi Jain Sharman Sangh, I appreciate, recommend the steps taken by Sh. Maitry Sagar Ji Maharaj and appeal Shravaks and Shravikas of Shvetamber Sthanakwasi community to help and extent their co-operation physically, mentally and monetarily to boost the morale of the people those are trying day and night against the decision of Up Govt. I request the honorable CM of UP not to open these proposed slaughter houses in UP so that the lives of 1,50,000 cattle may be saved from the cruel butchery everyday.

यूपी सरकार द्वारा जैनमुनि को जबरन धरने से उठाने पर जैन समाज ने जताया विरोध

यूपी सरकार द्वारा 9 यांत्रिक बूचड़खानों को दी गई अनुमति के विरोध में आमरण अनशन पर बैठे जैनमुनि मैत्री प्रभ सागर महाराज एवं उनके समर्थकों को जबरन उठाकर अस्पताल में भर्ती कराने से गुस्साए जैन समाज के लोगों ने देशव्यापी धरने प्रदर्शनों के माध्यम से यूपी सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध जता कर प्रदर्शन किया।



इसी क्रम में कस्बे के जैन समाज के लोगों द्वारा मौन जुलूस निकालकर विरोध जताया गया। कस्बे के दिगंबर जैन मंदिर से शुरू हुआ आये जुलूस कस्बे के प्रमुख मार्गों से होता हुआ पुनः मंदिर पहुंचकर समाप्त हुआ। इसके बाद इन लोगों ने राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन की प्रति एसडीएम चंदगीराम झांझरिया को सौंपी। इस दौरान जैन समाज अध्यक्ष राजेंद्र कासलीवाल, पवन बाकलीवाल, नरेंद्र पाटनी, पदम चंद टोंच्या, प्रकाशचंद हल्दानिया, पूरण चंद जैन, प्रेमचंद कासलीवाल, प्रकाशचंद बाकलीवाल, मोहनलाल जैन, सुरेश भोंच, राकेश बोहरा, राजेंद्र भोंच, देवेश जैन, महिला मंडल अध्यक्ष बबीता भोंच, मीनाक्षी जैन, इंद्रा पाटनी, भगवान

महावीर फाउंडेशन की प्रदेशाध्यक्ष मंजूलता जैन, इंदू बूचरा, संगीता पाटनी सहित बांसखोह, कानोता, दनाऊ व तूंगा सहित आसपास के गांवों से जैन समाज के लोग शामिल हुए।

इसलिए किया विरोध - भगवान महावीर फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष मंजूलता जैन के अनुसार ये बात जगजाहिर है कि जैन मुनि ना तो वाहन आदि में गमन करते हैं न ही वे रात्रि में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं। ऐसे में यूपी पुलिस द्वारा मायावती सरकार के इशारे पर जैनमुनि मैत्री प्रभ सागर महाराज एवं उनके समर्थकों को रात में जबरन गाड़ी में डालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया जो जैनमुनि चार्य एवं जैन धर्म का अपमान है। यूपी सरकार के इस कृत्य के विरोध में गुरुवार को जैन समाज के लोगो द्वारा देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन किया गया। विभिन्न संगठनों ने दिया समर्थन - जैन समाज द्वारा जताए गए विरोध प्रदर्शन को भगवान महावीर फाउंडेशन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, बजरंगदल, युवा चेतना मंच, सामाजिक युवा संगठन संस्थान, जन जाग्रति संघ, नवजीवन सेवा संस्थान, आदिवासी मीणा सेवा संघ, अखिल भारतीय मीणा सेवा संघ सहित विभिन्न संगठनों ने अपना समर्थन दिया।

दस मई को एक और क्रांति का आह्वान - मेरठ। प्रदेश सरकार द्वारा यांत्रिक बूचड़खानों को लाइसेंस जारी करने के विरोध में अनशन पर बैठे मुनि प्रभ सागर के समर्थन में बृहस्पतिवार को मेरठ कमिश्नरी चौराहे पर आयोजित धरना अभूतपूर्व रहा। दो दिन में अहिंसक समाज के बैनर तले एकजुट हुए विभिन्न वर्गों के हजारों प्रतिनिधियों ने एक स्वर में लाइसेंस निरस्त और मीट का निर्यात बंद करने की मांग की। बड़ौत से फोन पर मुनि प्रभ सागर ने अपने संबोधन में कहा कि मेरठ वासियों ने जागने में देर की है। उन्होंने दस मई को एक बार फिर से क्रांति करने का आह्वान करते हुए कहा कि इस बार पशु हिंसा रोकने के लिए अहिंसक आंदोलन होगा। विभिन्न व्यापारिक संगठनों ने धरने में भाग लेने के चलते अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने कचहरी में काम नहीं किया। मंच पर आंदोलन को समर्थन देने वालों का तांता लगा रहा। मुनि प्रभ सागर ने फोन पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार को या तो लाइसेंस निरस्त करना होगा या मेरे प्राण जाएंगे। इससे पूर्व उनके साथ बड़ौत में अनशन पर बैठे दयानंद महाराज ने फोन पर कहा कि क्रांति दिवस पर चलो मेरठ का नारा दिया गया है। संचालन करते हुए सुरेश जैन रितुराज ने कहा कि यह मुनि के तप बल का प्रभाव है कि इतनी भारी संख्या में लोग एकत्र हुए। संयुक्त व्यापार संघ महामंत्री नवीन गुप्ता ने मीट के एक्सपोर्ट पर निर्यात लगाने की मांग की। अध्यक्ष अरुण वशिष्ठ ने कहा कि व्यापार संघ, मुनि के समर्थन में दस मई को मेरठ बंद रखेगा। पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि मुनि के विचार पशु वध के संबंध में बेहद क्रांतिकारी हैं। विधायक सत्यप्रकाश अग्रवाल ने ईट से ईट बजा देंगे, कमेला बंद करा देंगे का नारा लगवाया।

महापौर मधु गुर्जर ने कहा कि स्वयं उन्होंने तीन बार कमेला बंद करने का आदेश दिया है, लेकिन शासन कमेला बंद नहीं कराना चाहता। सच संस्था के संदीप पहल ने जनप्रतिनिधियों पर ही कमेला संचालन का आरोप लगाया। प्रशासन के विरोध के बीच बड़ौत से आई साध्वी प्राची के संबोधन के बाद धरना समाप्त हुआ। साध्वी डा. प्राची ने कहा कि उन्होंने हैदराबाद में यांत्रिक बूचड़खानों में गायों को बेदर्दी से कटते देखा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर साधु संतों से अभद्रता होती है तो आंदोलन हिंसक हो सकता है। साध्वी ने बताया कि प्रशासन ने उन्हें हरसंभव रोकने का प्रयास किया, लेकिन पूर्व विधायक त्रिपाल सिंह उन्हें दूसरे रास्तों से लेकर मेरठ पहुंचे हैं। मुनि के साथ अनशन कर रहे, धरना स्थल पर आए सत्यदेव महाराज ने कहा कि अनशन को दस दिन हो गए हैं लेकिन अभी भी शासन के कानों पर जूं नहीं रेंग रही।

इन्होंने किया संबोधित - जाट महासभा उपाध्यक्ष अमन सिंह, भारत स्वाभिमान के विनोद चौधरी, शकुंतला कौशिक, रामनाथ शर्मा, बार एसोसिएशन पूर्व अध्यक्ष गजेंद्र सिंह धामा, गुर्जर महासभा के चौधरी जयपाल, पूर्व विधायक त्रिपाल धामा, केंद्रीय आर्य समाज के हरवीर सिंह सुमन, आरएसएस के सूर्य प्रकाश ।

ये रहे मौजूद - मोहन लाल कपूर, राजेश सेठी, भाजपा महानगर अध्यक्ष डा. चरण सिंह लिसाड़ी, विजेंद्र अग्रवाल, गजेंद्र शर्मा, संजय सोम, सुरेंद्र नाथ अवस्थी, उदयवीर मलिक, महंत महेंद्र दास, सुनील जैन, गजेंद्र शर्मा, अनिल जैन, पार्षद सुधा कंसल, इंडियन मेडिकल ड्रग एसोसिएशन के सुलेमान खान आदि।

इन संगठनों ने किया समर्थन - पल्लवपुरम सिटीजन एसोसिएशन, रोटरी क्लब मेरठ सिटी, ओम शिव महाकाल सेवा समिति, जीव करुणा सोसायटी, पीपल फार एनीमल, जैन समाज के विभिन्न संगठन।

जापन दिया - जिलाधिकारी की ओर से जापन लेने पहुंचे एसीएम कुमार विनीत से सुरेश जैन रितुराज ने बूचड़खानों का लाइसेंस निरस्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मेरठ सहारनपुर मंडल में १९ मीट पैकिंग इकाइयां और २८ पशु वधशालाएं होने से पशु की संख्या कम हो रही है। मुख्यमंत्री को संबोधित जापन में समस्त अहिंसक समाज ने मांगें न माने जाने तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया।

कई बाजार दोपहर तक बंद रहे - यांत्रिक कमेलों के खिलाफ गुरुवार को महानगर के कई इलाकों के बाजार सुबह से दोपहर तक बंद रहे। दाल मंडी, शहर सर्राफा, कागजी बाजार, नील की गली, सदर सर्राफा, शारदा रोड, सेंट्रल मार्केट शास्त्रीनगर, न्यू गंज बाजार, किराना सदर, दाल मंडी, खंदक, कबाड़ी बाजार, खरखौदा, मवाना, मोदीपुरम, नवीन बाजार दोपहर तक बंद रहे। बंद का सबसे ज्यादा असर कहीं नजर आया तो वह सदर सर्राफा बाजार रहा। हालांकि सदर के दूसरे बाजार खुले रहे। संयुक्त व्यापार संघ के अध्यक्ष अरुण वरिष्ठ का कहना था कि उन्होंने बंद का आह्वान नहीं किया था, बल्कि सिर्फ यह कहा था कि व्यापारी धरने में शामिल हों। जिनके प्रतिनिधि प्रतिष्ठानों पर बैठ सकते हैं, वे प्रतिष्ठान खोल सकते हैं। जो अकेले हैं, वे दो घंटे के लिए अपने प्रतिष्ठान बंद कर इस सामाजिक सरोकार में शामिल हों, क्योंकि यह कोई राजनैतिक या सांप्रदायिक नहीं बल्कि सभी से जुड़ा हुआ मुद्दा है।

१० मई के बंद पर असमंजस - धरना स्थल पर की गई घोषणा के बारे में जब पूछा गया तो संयुक्त व्यापार संघ के अध्यक्ष अरुण वशिष्ठ ने कहा कि १० मई को जैन मुनि का मेरठ मार्च है। इस दौरान रैली भी होनी है। इसमें यदि मुनि महाराज बंद की इच्छा रखेंगे तो संयुक्त व्यापार संघ बैठक कर उस पर निर्णय लेगा।

मांग नहीं मानी तो प्राण त्याग दूंगा - बड़ौत. यांत्रिक कत्लखानों को बंद कराने की मांग को लेकर आमरण अनशन कर रहे जैन संत मैत्री प्रभ सागर को आमजन, सामाजिक संगठनों के अलावा राजनैतिक दलों का भी समर्थन मिल रहा है। अनशन के दूसरे दिन मेरठ के भाजपा सांसद राजेन्द्र अग्रवाल जैन संत से मिलने पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने सभा को संबोधित किया और इस मुहिम में जैन संत को भरसक सहयोग करने का भरोसा दिया। उधर, मांग नहीं माने जाने पर जैन संत ने प्राण त्यागने का ऐलान कर दिया। बड़ौत के पाण्डुक शिला मैदान में चल रहे आमरण अनशन के दूसरे दिन सभा को संबोधित करते हुए जैन संत मैत्री प्रभ सागर महाराज ने कहा कि हम अहिंसा के पुजारी हैं। जिस प्रकार खुदीराम बोस को आजादी की लड़ाई के लिए फांसी पर चढ़ाया गया था, आज करोड़ों पशुओं के वध को रोकने के लिए मैं जीवन की परवाह ना करते हुए अंतिम सांस तक लड़ता रहूंगा। अगर मेरी मांग नहीं मानी गई तो मैं इसी धरती पर प्राण त्याग दूंगा। मैं आप सभी से अपील करता हूँ कि इस जीव रक्षा महायज्ञ में अपनी आहूति दें। तन मन धन से सहयोग करें। उनके समर्थन में कर्नाटक से आए स्वामी दयानंद महाराज ने कहा कि लोग अब इस आंदोलन से जुड़ने शुरू हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि जब तक सरकार निर्माणाधीन बूचड़खानों के लाइसेंस निरस्त करके हमें प्रमाण पत्र नहीं दे देती तब तक हमारा अनशन चलता रहेगा। मेरठ से भाजपा सांसद राजेन्द्र अग्रवाल ने कहा कि मैं राजनीति की चप्पल मंच से नीचे ही उतारकर आया हूँ। लोग इस आंदोलन को राजनीति के चश्मे से देख रहे हैं। जबकि देश के जीवों की रक्षा करना सभी का कर्तव्य है। कमेलों के कारण देश में पशुओं की संख्या घट रही है। दूध लगातार कम होता जा रहा है। पेस्टीसाइड के कारण जमीन बंजर होती जा रही है। यह सब मानव जीवन के हित में नहीं है। उन्होंने 3 मई को होने वाली रैली में पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की।

महिलाओं ने निकाला कैंडिल मार्च - बड़ौत, बागपत। जैन संत मैत्री प्रभ सागर ने अपने आंदोलन के दौरान मंच से कई बार बड़ौत की जैन महिला शक्ति को यून ही प्रणाम नहीं किया था। जब उनका साथ यहां के जैन पुरुषों ने छोड़ा, महिलाएं तब भी उनके साथ रहीं। मंच पर उनकी मनोकामना पूर्ण कराने के लिए लगातार जाप करती रहीं। पूजा पाठ करती रही थीं।

संत के अपमान से आहत महिलाओं ने शनिवार को शाम शहर में कैंडिल मार्च निकालकर जैन संत के प्रति अपनी आस्था अर्पित कर दी। दिखा दिया कि महिलाएं इन विपरीत परिस्थितियों में भी मैत्री प्रभ सागर के साथ हैं।

बड़ौत जैन समाज की महिलाओं ने जैन महिला शांति मार्च का आयोजन किया। इससे पहले अजितनाथ दिगंबर जैन मंदिर में पार्श्वनाथ चालीसा पाठ किया। इसमें करीब 80 महिलाओं ने भाग लिया, इनमें आरुषि जैन, रुक्मिणी जैन, नीलम जैन, अंजू जैन, रेनू जैन, सविता जैन, निधि जैन, अंजू जैन, सरला जैन, सविता जैन आदि शामिल रहीं। अजितनाथ मंदिर से शाम करीब साढ़े सात बजे शुरू हुए कैंडिल शांति मार्च के दौरान महिलाएं शांत होकर हाथों में कैंडिल लिए संजय मूर्ति पहुंचीं। वहां से नेहरू मूर्ति होती हुई जैन श्वेतांबर श्रृंगारी मंदिर घड़ा बाजार पहुंचीं। वहां कैंडिल रखकर पूजा-अर्चना की गई। ऐसे में जब जैन समाज के पुरुष संत को पुलिस के उठाने के बाद से सामने नहीं आ रहे हैं। महिलाओं ने साबित कर दिया है कि उनमें जज्बे की कमी नहीं है।

JAIN MUNI MAITRI PRABH SAGAR JI ARRESTED BY U. P. POLICE



In an effort to register his protest against Uttar Pradesh Government's move to set up 8 modern slaughter houses in the state, with a capacity of 10,000 to 20,000 animals slaughtering per day Jain Muni Shri Maitri Prabh Sagar Ji Maharaj has been on fast-unto-death since 26th April 2011. Even after several days of his fast UP's Govt. has not shown any positive response. The peaceful movement was keeping the police and UP Govt. on their toes. The peaceful movement catching massive support from different sections of the society was damaging political aspirations of UP's chief minister, Mayawati. the movement against slaughter houses was also getting international attention.

Meerut Bandh on 10th May was successful beyond UP Govt's imagination and finally the Govt. decided to disrupt the movement by through the application of police force. At the government's instructions city police arrested the Honourable Jain Monk on his 17th day of fast unto death at 2 am along with more than 100 supporters. Nobody was informed about the whereabouts of Munishri. This may be noted that Jain monks never use any vehicle and also do not walk from one location to other in the night but despite knowing the fact, UP police arrested the saint, at mid-night under the excuse of his falling health due to continued fasting and sent him to Guru Teg Bahadur Hospital at Delhi. This act of police is wholesome dishonour of Jain tradition and Jainism at large. The U. P. Police also stopped Munishri Chinmay Sagarji, who was on his way to meet Munishri Maitri Prabh Sagarji.

A Jain monk takes a lifelong vow of never to hurt anyone, never to use and cause violence towards any (humans and non humans) and never to use any kind of vehicle (human, animal and mechanical driven). Never before in the history of Jains in India, has any Jain Sadhu been arrested and his vows been broken for observing his/her vows and demonstrating against policies of the state that promote violence, killing and slaughter of animals. The Jain community in USA and Canada have also expressed their anguish on the vindictive behaviour of the UP Government and its police force. The president of the Federation of Jain Associations in North America (JAINA), Lata Champsee has also sent letters of protest to the Prime Minister of India, Chief Minister of U. P and other officials. More such letters are being sent by the community and its institutions in North America. Courtesy: Dr. Sulekh C. Jain.

JAIN DELEGATION DEMANDS BAN ON NEW SLAUGHTER HOUSES IN U. P. FROM C.M.



Mumbai, May 18, A 16-member strong delegation of various Jain organisations met Maharashtra Governor K. Sankaranarayanan and condemned the alleged arrest and attack on Jain Sadhus in Uttar Pradesh. The delegation members told the Governor that Jain saints and followers were manhandled, lathi-charged and taken to police station on May 12 for allegedly protesting against the permission granted by the Uttar Pradesh government to open 8 new automatic slaughter-houses in that state. The delegation requested Sankaranarayanan to convey their sentiments to the President so as to persuade the Mayawati Government to cancel the opening of the new slaughter houses, a Raj Bhavan release said. The Governor assured the delegation that he will convey their sentiments to President Pratibha Patil.

U CAN ALSO JOIN THE MOVEMENT BY SENDING MAIL TO MAYAWATI, CM OF UTTAR PRADESH

A draft format prepared by Ahimsa Sangh affiliated, Akhil Bharatiya Katikhana evam Hinsa Virodh Samiti, Branch: Vashi, Navi Mumbai www.ahimsasangh.org, for post card letter/fax/email is given herein below.

Respected Madam,

Your Government has issued licenses for establishment of new slaughter houses in the state of Uttar Pradesh. I believe that the complete facts have not been given to you on the issue else you would have not given your approval. Therefore, I would like to put some concern before you.

No economic benefits can be derived by killing of innocent animals by the people or the Govt. except the Company, which is involved. I would rather say that your Government can earn 5-10 times more benefits by the conservation of these creatures of the God in comparison to export of their meat (kindly analyze the data release by Central Statistical Organisation, GOI, 2009). Cattle are the life line of villagers, they give milk, dung for fuel, manure for farming, and transportation for villagers, conservation of environment etc. They are useful in many other ways.

Moreover, slaughterhouses are big threat to the environment. The whole world has accepted this fact and moving towards greener path and adopting vegetarian diet to control Global warming. Many nations have started closing of slaughter houses; India is the land of Mahavira, Gautam Buddha, Ram-Krishna, who taught us the lesson of Ahimsa. Jain Munishri Maitriprabh Sagarji is on his Fast unto death at Baraut, Baagpat since last 8 days in protest of licenses to new slaughter houses, you should be aware. I am aware that you have great respect towards sadhus and Indian culture of Ahimsa/Jeevdaya.

We request you to look into the matter and ask the concerned department to reconsider their decision and withdraw it. Please cancel the new licenses of slaughter houses with immediate effect. I am sure that your stand to promote Ahimsa/Jeevdaya will bring you greater support and honour from the Aam Aadmi.

The e- mail addresses to whom the message can be addressed are as follows

- 1.Chief Minister, Uttar Pradesh, E-Mail : cmup@nic.in
- 2.PR Department: CM office, Uttar Pradesh, E-Mail : upinformationdeptt@gmail.com
- 3.Directorate of Environment, Uttar Pradesh, E-Mail : doeuplko@yahoo.com

JAIN COMMUNITY IN NORTH AMERICA ANGUISHED BY THE MONK ARREST

The entire Jain community in USA and Canada are in a state of shock and anguish. The president of the Federation of Jain Associations in North America (JAINA), Lata Champsee has sent letters of protest to the Prime Minister of India, Chief Minister of U. P and other officials. More such letters are being sent by 100s of Jain Centers and thousands of Jains in North America. - Dr. Sulekh C. Jain, Past Presidet JAINA, Houston, Texas, USA, Tel : 281 494 7656, 832 594 8005 (cell)

VISHAL AHIMSA RALLY ORGANISED IN DELHI

Vishwa Jain Sangathan held a very big rally from India Gate to Raj Ghat to protest against the opening of Slaughter Houses in U.P. on 19 May 2011. The rally was attended by more than three thousand active protestors from all communities and religions.

According to Mr. Sanjay Jain the chief convener of Vishwa Jain Sangathan the government should stop subsidies to slaughter houses immediately. E-Mail : vishwajains@yahoo.com or call at mob #: 09871633501.

Ahimsa Times views - It is really unfortunate that inspite of Jain communitie's wide spread protests in India and outside India, no government representative has given any reaction so far on our protests. The problem remains as is where is. Is this not an embarrassment for the entire Jain Community and all its so called leaders. Why the most of the community leaders are silent on such an important issue? We request all our Community Leaders and stalwarts to frame a national policy and approach the government on such sensitive issues. Our saints can also play important role in taking up the issue. We should also take lessons from Anna Hajare who walked away with 100% success in just seven days.

ACHARYA MAHASHRAMAN DAY CELEBRATED



The Jain Samaj organized 50th birthday celebrations of Acharya Mahashraman. Sadhivi Dr.Kundan Rekhaji was the chief guest described the life and teachings of Acharya. The noble soul and great thinker was born in 1962 at Sardarsahar, a small town in Rajasthan. At the age of 12 years he became a monk. Under the able guidance of Acharya Tulsi and Acharya Shri Mahapragya, he got his education and proved himself as an ardent disciple. He possesses the qualities of a scholar, writer, brilliant speaker, meditator and impressionable personality. He also guides the Youth wings of Terapanth morally and emotionally. Due to extraordinary characteristics Muni Mudit leaded many old monks in the Terapanth sect and became Mahashraman at the age of 28 years. He is like a gem with broad scientific and rational outlook.

In 1997 at the age of 35 years he became the "Yuvacharya" successor designate to the present Acharya. He became Acharya on 9th May 2010 after the Mahaprayan of His Holiness Acharya Shri Mahapragya. Padabhishek was held at Sardarshahar on 23rd May 2010.

ACHARYA MAHASHRAMAN TO RECEIVE SHANTIDOOT AWARD

Acharya Mahashraman of the Terapanth sect will be honoured with the "Shantidoot" award for launching peace and non-violence campaign against terrorism, crime and violence. This was disclosed by Ramesh Bansal, Secretary, Annuvrat Samiti. Bansal said lakhs of followers came out in support of the "Ahimsa Yatra" of Acharya Mahashraman on the occasion of his 50th birthday, which was marked as Amrit Mahotsava at Kankroli in Rajasthan. He said Pacific University had decided to honour him and the award would be given at the World Dharmguru Sammelan in Udaipur of Rajasthan on May 29. President Pratibha Patil, who graced the occasion with her presence, lauded the efforts of Acharya Mahashraman.

SHRI RATAN MUNI JI HONOURED WITH MAHA-SHRAMAN TITLE

On the occasion of his 75th birth day, revered saint from Shwetambar Sthanakwasi Shraman Sangh, Shri Ratan Muni Ji Maharaj was honoured with the title of "Mahashraman", while he had stopped over during his vihar at Chandrapur in Maharashtra. The message of granting title of 'Mahashraman' was sent by Acharya of Shraman Sangh, Dr. Shiv Muni Ji from Delhi. Acharaya Dr. Shiv Muni's message was read by Shri Mahendra Rishi Ji Maharaj in a heavily-attended ceremony arranged at Rajiv Gandhi Sabhagriha. Devotees and followers of Sthanakwasi sect from Chhatisgarh, Raipur, Bhillai, Durg, Chennai, Bangalore and other places attended the congregation in large numbers. Shri Yogesh Bhandari, President of Chandrapur Shri Sangh and other distinguished guests also addressed the gathering.

RIGHT TO CONDUCT LAST RITES OF A JAIN SAINT SOLD FOR MORE THAN A CRORE



Mumbai: Shri Hemratna Suri Ji Maharaj, a highly devoted saint belonging to Shwetambar Murti-Pujak sect had barely shut his eyes and crossed his legs in a meditative padmasana, when pain flashed through his chest. In a quiet hamlet of Nadiad in Gujarat, Hemratna Suri Maharaj, spiritual mentor to lakhs of Jains, died on the 6th May, 2011. The next morning, more than 15,000 Jains thronged to the tiny temple town of Shahapur in Maharashtra. Many of them were there for a unique community ritual: to bid for the right to perform the last rites of the 58-year-old Jain monk. The bidding was spirited, and the amount spiralled steadily. Eventually, an Ahmedabad based land developer, Kalpesh Shah, lit the pyre after paying a sum of Rs 1.11 crore. Courtesy: Hemali Chhappia & Mansi Choksi.

NEW SAINT PROFILES PLACED ON WWW.JAINSAMAJ.ORG

sadhvi Up Pravertani Kaushalya Kumariji M. S., Sadhvi Dr. Sulakshan Prabhaji M. S., Sadhvi Pravertak Ganesh Muniji M. S., sadhvi Madan Kunwerji M. S., Sadhvi Gyan Prabhaji M. S., Sadhvi Priy Darshanaji M. S., Sadhvi UP Pravertini, Sadhvi Vimalwatiji M. S. Information Courtesy: Shri Pushpendra Muniji M. S.

JAIN TEMPLE NEWS

FOUNDATION LAID FOR ANOTHER JAIN TEMPLE IN CANADA



Hundreds of devotees lined up recently with their own bricks to lay the foundation of Bhagwan 1008 Aadinatha Jain Temple being built on Mayfield Road (Mayfield and Gore Road) in Brampton, on land donated by the Gyan Jain family. His Holiness Bhattarka Charukirtiji and Pandit Dharm Chand Sastri conducted the special religious pooja to purify the land and lay the foundation stones. This will be the first Jain temple of its kind in Canada, with the idol of Bhagwan Aadinath, the first tirthankar of this era, to be installed. An elders' home and a hospital are to form part of the complex.

RESTORATION OF MAHAVIR BHAWAN, A JAIN LANDMARK IN CHANDNI CHOWK, BEING DONE



The restoration of Mahavir Bhawan, a Jain landmark in Chandni Chowk, is being done keeping Jain architecture in mind. The cracked flower motifs and faded sandstone mouldings on the parapet of Mahavir Bhawan are being replaced by marble torans and jaali. Skilled artisans from Rajasthan's Makrana are busy working round-the-clock to give the upper floors of the more than hundred-year-old three-storey building a new look, ensuring that it stands out on the congested main road of Chandni Chowk. The renovation work is being done in accordance with traditional Jain architecture styles. After all, the building houses one of Delhi's oldest sthanaks.

The building has always been a landmark in this area, locally known as the Baradari. While the look is all set to change on the exterior, inside, the heritage library continues to have the same décor as during the pre-independence era, when it was one of the preferred meeting places of the freedom fighters. Built in 1905 by Lala Gokal Chand Nahar, Mahavir Bhawan opened a library on its premises on October 5, 1924. A marble staircase leads one to the library, which is open from 8 am to 8 pm all seven days of the week. The yellow pages of visitors' book have signatures of the who's who of the nationalist movement. Anthropologist Verrier Elwin visited the place in December 1931, Jawaharlal Nehru in May 1936, Mahadev Desai in March 1936, besides others like Kasturba Gandhi and Rajendra Prasad.

TOKYO JAIN TEMPLE GETS DAMAGED IN EARTHQUAKE

The recent earthquake which caused wide spread damages in several parts of Japan also damaged Jain Temple located in the city of Tokyo. Although, the temple building is severely damaged the main idol of Bhagwan Mahavir remains absolutely unaffected. After the earthquake large number of Japanese and ofcourse Jain community members offered their prayers to Bhagwan Mahavir.

FESTIVAL, SEMINAR & CONVENTION NEWS

CHICAGO JAIN CELEBRATES VARSHITAP PARNA/ AKSHAY TRITIYA



Chicago: Jain Society of Metropolitan Chicago hosted the Varsitap Parna for 12 Tapasvi at the Jain Temple, 435 N Route 59, and Bartlett, IL on May 7th, 2011. Over 1300 devotees from Jain community joined to participate in this event.

This festival is celebrated on Vaishakha Sud 3. (The third day of the month of Vaishakha) The first Tirthankar-Rushabha Dev got Charitra i.e. left the worldly pleasures after 83 Lakha Purva years of home-life. It is said that Karma has no effect of any brave people or even of Indra, Narendra, Munindra or Jitendra- All Mighty. ushabha Dev Parmatma went to many houses to get the proper food (Gochari) for him, but no one could understand his desire of food. The people were

ready to give elephants, horses, jewellery or even brides to him. But they could not offer any food. In the previous birth, Rushabha Dev had tied a net on the face of a cow and he did the sin of starving the cow, so the previous Karma was the cause of this incident. At the end, Shreyans Kumar had got a special knowledge of knowing previous births. He knew that Rushabha Dev wanted food to eat. So he gave him the juice of Sugarcane and Rushabha Dev broke his fasts. This day is known as Akshaya Trutiya from that time.

Akshay Tritiya has special meaning for the Jain community, as it marks the celebration of end of Tapsavi's alternate day of strict fasting of last 13 months. Traditionally Varsitap begins on the eight day of the dark half of a lunar month of Falgun and ends on the third day of the bright half of a lunar month of Vaishakh. The total duration of 'Varsitap' is around 13 months and 13 days. However, this year this event lasted for 14 months and 14 days. In Varsitap, the devotees do not consume any sort of food or liquids except boiled water during the day time. Next day this devotee is allowed to eat only one meal. Following day he or she once again observes fasting for food and liquids. The Jains do this Varsitap for atonement of the soul for any wrong deed that he or she might have committed even unconsciously.

FIRST ACHARYA SUSHIL KUMARJI MEMORIAL CONFERENCE OF JAIN SCHOLARS



In honor of Acharya Sushil Kumarji's and his work to promote global understanding of Ahimsa and Anekantvad, Siddhachalam Aashram is organising First Acharya Sushil Kumarji Memorial Scholars' Conference on June 11-12 at Siddhachalam, 65 Mud Pond Road, Blairstown, New Jersey. Some of the best-known scholars from India and the United States will share their work with us on June 11 and 12. To attend please register online now at www.siddhachalam.org

Scholars include Jain Ratna Dr. Hukum Chand Bharill (Todarmal Smarak Trust, Jaipur), Dr. John E. Cort (Dennison University), Prof. Jeffery D. Long (Elizabeth College), Dr. Vimal Prakash Jain (formerly Bhogilal Leharchand Institute of Indology, Delhi), Dr. Kriti Wiley (University of California, Berkley), Dr. Narendra Bhandari (LD Institute of Indology, Ahmedabad), Mr. Steven Vose (University of Pennsylvania, Fulbright Scholar), Shanti Parakh (yoga teacher, Toronoto), Dr. Bharat Shah (author, New York), Bhupendra Jain (scholar, New Jersey), and Sarah Hicks (University of Bethlehem, University of Pennsylvania). Moderators include Dr. Rashmi Jain (conference chairperson), Dr. Courtney Schlosser (Worcester State University), Dr. Atul Shah (Maryland), Dr. Faquir Jain (University of Connecticut), and Dr. Sadhana Mehta (New Jersey). The Conference is open to all and is an excellent

opportunity for scholars, thinkers, students and practitioners to meet and discuss some of the core ideas of Jain dharma. Please do not miss this wonderful opportunity.

NATIONAL CONVENTION OF BHARAT JAIN MAHA-MANDAL HELD AT MUMBAI

The 53rd national convention of Bharat Jain Mahamandal, an apex body representing entire Jain Samaj was held at Birla Matishri Auditorium, Mumbai. Shri Narandra Balota presided over the convention. The programme was graced with the presence of several eminent Saints and Sadhwis, dignitaries, guests and devotees. Acharya Shri Vatsalya Deep Surishwar Ji Maharaj had along with other saints chanted the 'Mangal Paath', followed by lighting of the lamp by Shri Arun Bhai Gujarati, ex-MLA. Out-going President, Champalal Vardhan handed over the responsibility of Maha-Mandal to newly elected, Sumati Lal Karnawat. Shri Narendra Balota and other guests also addressed the gathering about the relevance of Bhagwan Mahavir's teachings at the present time. Saints present on the occasion gave short discourses, throwing light on the Jain history and its philosophy.

DIKSHA CEREMONY INFORMATION



1. Mansi Jhaveri, a 28 year old, daughter of a wealthy Walkeshwar diamond merchant, bid a final farewell to her parents and family and accepted Jain Diksha on the 18th May, 2011 at the gate of Daulat Niketan in Walkeshwar at Mumbai. Family members shed tears as the 28-yr-old took diksha with a smile. Celebrating the holy occasion, a band of musicians played music at the entrance gate. Those waiting below, some wrapped in satin robes after returning from their morning puja at the nearby temple and others in office clothes, were busy pushing and jostling for a glimpse of this B. Com. graduate. Before going for the diksha ritual, Mansi, who had prepared for this moment for three years, was dressed like a bride, a heavy chaniya choli and the necklace of sparkling diamonds. One last time, she entered the Walkeshwar temple, built a century ago by her ancestors, in colorful attire with family in tow. The vast Walkeshwar police ground next door was already packed with thousands of Jains who had showed up as early as three hours before the function to secure a place. The backdrop of the stage portrayed the rough journey that lay ahead of her. She has now been re-christened Moksha Maina Shree Ji. The ceremony included many community elders and senior Jain monks like Acharya Kalyan Sagarsuri Maharaj Saheb (who came there on a wheelchair), Acharya Ashok Sagarsuri Maharaj Saheb and Ganivarya Naya Padmasagar Ji Maharaj Saheb who had gathered to bless the 28-year-old. Courtesy: Mansi Choksi & Hemali Chhaphia.

2. Mumukshu Karishma Kumari coming from small town Pacheri in Rajasthan has decided to accept Jain Diksha on the 12th June, 2011 in the holy presence of Shri Arahprabh Vijay Ji and Shri hardik Vijay Ji Maharaj, belonging to Shwetambar murti-pujak sect. it is expected that Acharya Shri Vijay Padam Surishwar Ji Maharaj and Acharya Shri Ratnakar Surishwar Ji Maharaj may also reach pacheri town to attend the Diksha ceremony and bless the newly-christened Sadhwi.

3. Mass Malegaon Diksha Mahostav - Under the blessings of Mahasati Sadhvi Shri Kanchan Kanwarji (thana 74) nine dikshas will take place at Malegaon, Maharashtra on 8th May 2011. The names of Diksha recipients are Sushri Kanta Chopra from Chattisgarh, Sushri Priya Rai Soni from Bolthana, Maharashtra, Sushri Jyoti Surana from Rajnand Gaon, Chattisgarh, Sushri Pallavi Bafna from Umrana, Maharashtra, Sushri Simmi Surana from Rajnand Gaon, Chattisgarh, Sushri Jyoti Taleda from Kuknoor, Karnataka, Sushri Monica Baldota from Pune, Maharashtra, Sushri Bharti Parakh from Bajar Atariya, Chattisgarh and Sushri Preeti Golecha from Rajnand Gaon, Chattisgarh. Diksha programme will be attended by thousands of Jain Devotees and large number of Male and Female Jain Saints.

SPECIAL HONOUR RECIPIENTS OF THE MONTH

Dr. Shugan C. Jain has been nominated as the President of Parshwanath Vidhyapeeth, Varanasi. This institution is reputed for its contribution to Jain religion and philosophy. Parshwanath Vidyapeeth is duly recognized by Banaras Hindu University, Varanasi as a centre for higher learning and research in the field of Jainology and its Ph. D. programme since 1971. So far, under the faculty of the Vidyapeeth 65 students have received successfully their Ph.D. degrees from Banaras Hindu University, Varanasi. Parashwanth Vidyapeeth is also recognized by Department of Scientific & Industrial Research, Ministry of Science & Industrial Technology, Government of India. The Institute is also recognized by the Advance Study Centre, Simla for conducting seminars and workshops in Jainology. Seminars, symposia and lecture series are regularly conducted. The Vidyapeeth has an active publication programme and it has so far published 143 titles on different aspects of Jainology. Additionally, few titles have been brought out in conjunction with other reputed institutions and thus the total tally along with such publications stands at 155 titles published. The institution is now going through a major overhaul and internationalization.



Delhi, Lalit Jain, 27 secured 41st position in the recently declared UPSC examination. He is the only son of news paper merchant, Shashi Pal Jain, from Kharar. Jain had failed in his first three attempts and was also rejected at the interview by the Haryana Public Service Commission for the Haryana Civil Service. A practising lawyer at Punjab and Haryana High Court, Jain is a law graduate from Panjab University. A nephew of former Chandigarh MP Satya Pal Jain, Lalit is the first to directly become an IAS officer from Kharar. Right since the news of his making the giant leap from a newspaper agent's son to an Indian Administrative Service officer, Jain's home town Kharar, 15 km from Chandigarh, is taking pride. His house in NRI Enclave was swarmed with relatives, friends and neighbours, as newsmen jostled for a glimpse of the simple-looking tall youth.

NEWLY PUBLISHED BOOKS ON JAIN SUBJECTS

1. Svarupa Sambodhan (Right Instruction on the nature of soul), by Acharya Akalanka, English translation, notes and introduction by Nagin J. Shah, Published by Hindi Granth Karyalay, Mumbai 32 pages. Paperback Price: Rs. 50.

This book is an excellent short work on the true nature of the soul composed in 25 Sanskrit Karikas by Acharya Akalanka, the famed Jain logician. with the soul's journey into samsara, and how it can be ended through rational perception, knowledge and conduct. It lays stereological foundations for the necessity of detachment as a way to lessen the karmic load and espouses the path of salvation through non-violence, self-control and penance. This work emphasises the non-absolute nature and infinite attributes of the soul. It deals with the soul's contradictory-seeming qualities and explains them through the underlying logic of anekantavada {doctrine of many-sidedness}. For instance, the soul is both permanent and transitory and has the triple characteristic of origination, destruction and persistence. The guna {substance} of an object remains the same, but its paryaya-s {modes} are constantly changing. The text further deals author explains why one should acquire qualities that assist and add to the purity of the soul and give up those that lessen its purity.

The author further emphasises the importance of realising that the soul and body are different. Hence, once the votary completely stops identifying with the body and gives up his attachment to it, he shall acquire supreme detachment and the highest levels of meditation, whereupon he shall attain the highest state of knowledge - omniscience. The author, Acharya Akalanka, was a profoundly learned and vastly respected Jain monk who lived in ancient India and composed several important works on formal logic. His original works - Laghiyastraya, Nyayavishcaya, Siddhivinishcaya and Pramanasamgraha - and his famed commentaries - the Rajavartika and the Ashtashati have been studied for centuries by all students of Indian philosophy. The English translation and annotation have been done by Dr. Nagin J. Shah, an eminent scholar of Darshana and Nyaya.

2. JAIN LEGEND - Edited by: Dr. Shagun C. Jain and P. S. Surana - Originally authored as "Jain Dharma Ka Maulik Itihas" by Acharya Shri Hastimal Ji Maharaj, the foremost Acharya of Shwetambar Sthanakwasi tradition in the form of a series of four volumes in Hindi and translated into English with the title, "Jain Legend". This English version is the verbatim translation of the four volumes edited by learned Jain scholars, Dr. Shugan C. Jain, Director, International School for Jain Studies and Shri P. S. Surana, President, Samyak-Gyan Pracharak Mandal. This set of four volumes has been released on the 18th January, 2011, the birth centenary of Acharya Shri hastimal Ji Maharaj.

The voluminous text produced by the Acharya has shown rare objectivity in unravelling the Jain history covering long period extending from first Jain Tirthankar Shri Rishabh Dev to the last one, Shri Mahavir Swami. Though Jain historical works are available since long time, these were compiled in Prakrit and Sanskrit and did not present historical facts in a systematic manner. As such, they could not attract attention of common people and could not gain much popularity. There had been a consistent demand from all over for making available these volumes in English and the authors of the volumes have done a stupendous work in producing the English versions. They deserve hearty congratulations.

Total number of pages covered in all the four volumes is about 1200. The price of the complete set is Rs. 600/- (Rs. 150/- for each volume) Publisher: Samyak Gyan Pracharak Mandal, Above Shop No. 182-183, Bapu Bazar, Jaipur- 302003.

CHATURMAS 2011 NEWS

1. Shri Dinesh Muni Ji Maharaj disciple of Acharya Shri Devendra Muni Ji Maharaj belonging to Shwetambar Sthanakwasi Shraman Sangh to hold Chaturmas starting from 14th July at Mahavir Bhawan, Bhatar Road, Surat.

2. Sadhvi Yashodhara Ji belonging to Shwetambar Terapanth Dharm Sangh to hold Chaturmas at Jodhpur in Terapanth Bhawan,

Jatawas.

3. Sadhvi Mani Prabha Ji belonging to Shwetambar Murti-Pujak Khartargachh Sect to hold her Chaturmas at Jodhpur.

LETTER TO EDITOR OF AHIMSA TIMES



JAIN SAMAJ - Fakirchand J. Dalal, E-Mail: sfdalal@comcast.net - A doubt may arise in the mind of some Friends that I have turned Buddhist according to DALAI LAMA'S under-neath statement with which I Agree 100%. To my Surprise, the Present Leadership of JAINA, Jain Gurus/Pundits/Scholars in general and Jains are NOT Practising what "AHINSA PARAMO DHARMA" of Mahavir, who Pronounced, Practised and Preached. They do Not subscribe to "PARASPAROP GRAHO JIVANAM" in Practice even though they put this SLOGAN on their Letter-Heads, etc. They very much look-alike Hindus in most of the Rituals, etc. they Practise. Most of the time, to the Common People in Society, Jains and Hindus are looking the same, only Difference is in the Name.

I have seen quite a few Jains going to Hare Krishna and Hindu Temples. So why Not Forget about Name and the Principle of AHINSA? At Least we will prove to be HONEST, Not Hypocritse. Many Jain and Hindu Inter-Religious Marriages are taking place. We All Go to Indian Programs/Celebrations together. Our Identity as Jains has diminished to a large extent. The latest occurance regarding Serving VEGAN FOOD at the JAINA Convention in Houston, Texas during 3-4 Days in July 4th, 2011 long week-end, when about 3000 Jains will get-to-gether has Proved so far that they are determined to continue to Serve JAIN FOOD (Except 3 Meals?) including some items prepared out of Milk and Other Dairy Products. It is a well-Known and Proved Fact that Production of MILK has involved Immense Cruelty and Untimely Death in Slaughter-Houses for satisfaction of Large Number of MEAT-EATERS i.e. NON-VEGETARIANS. Many VEGAN Groups and Individuals among Jains in U.S.A., Canada, U.K. and India have requested and Urged JAINA to take LEAD for The CHANGE, setting the RIGHT Example in the Direction of Practising "AHINSA,-NON-VIOLENCE" as Healthy Sustitutes are easily available everywhere. Lives of Animals, Better Environment and Good Health will be the Step in the Right Direction as a Direct Result for the Benefit of Our Universe, COMPASSION.

In a Personal Note, I have decided `NOT TO ATTEND' the Convention inspite of Registration. I Hope and Trust that Wiser Counsels Prevail among those who LEAD Jains. "JAI AHINSA".

MISCELLANEOUS NEWS CLIPPINGS

TWO FAMILIES FUND NATIONWIDE TRIALS HOPING TO FIND CURE FOR SPINAL INJURIES

In January 2009, Vaibhav Jain, 25, returned to Mumbai after his graduation with plans of joining his father's shipping and construction business. However, a dive in a shallow pool affected all his plans. With a broken neck and damaged spine, Jain has been on physiotherapy ever since. Sachin Chamaria, 20, after appearing for his class 12 exams in 2008 was visiting his cousin in Kolkata when he broke his neck in a road accident. He too has been on intensive physiotherapy and some of the latest gadgets are at his disposal.

The Chamaria and Jain families have now got together and pooled their resources to conduct a nation-wide clinical research on the effect of umbilical cord stem cells on spine cord injury (SCI) victims. Currently, aggressive physiotherapy is the only available treatment for spinal cord injuries. The two families want to put in the "seed" money to push-start a nationwide clinical research. They are being aided by Dr Wise Young, the world-renowned researcher who plans to replicate in India clinical trials on embryo stem cell research held in China and the US. Dr Alok Sharma, the neuro-surgery head at Sion Hospital has agreed to participate in the research.

Dr. Young has already held initial meetings with the families. "The clinical trials in China, the research's first phase has proved its safety. Phase two and three will be held in India and Norway. This is a four-country project that will also involve the US," Dr Sharma said. The trial will include 120 people from six hospitals. Jain's father Atul said, "We are willing to invest in the infrastructure, networking, funding and the technical part of the research. We really hope this will help our son." The project is yet to be cleared by the ethical committee and Indian Council of Medical Research. Currently, Sion hospital and India Spinal Cord Injury Centre at Delhi and the Apollo group of hospitals have agreed to be part of this research. A few other big hospitals have also expressed interest, Dr Sharma said. Jain, a willing participant in the trial, said, "Stem cell therapy is the hope for spinal cord injury victims."

UVASAGGAHARAM STOTRA FOR IPHONE AND IPAD FROM WINJIT

Uvasaggaharam Stotra was composed 2,100 years ago by Shree Bhadrabahu Swami, a very powerful Jain Monk. Another powerful Jain monk was Varahmihir but he could not bear to see his brother getting the Acharya position and getting more respect. Varahmihir became angry with Jains and the Jain religion on the whole. It is said that Varahmihir after his death became a 'Vyantar dev' and started giving Upsarg (pain) to the Jains on earth. His actions born mainly out of jealousy and anger towards his brother Bhadrabahu Swami, brought a lot of ruin to Jains. At such a difficult time the people approached Bhadrabahu Swami for help. Moved by their plight, Bhadrabahu Swami wrote "Uvasaggaharam" – to pay respect to 23rd tirthankar Bhagwan Parshvanath and seek his help in making all Upsargs vanish (In fact, the literal meaning of Uvasaggaharam is removal (har) of upsurgs). This Stotra evoked demi-gods and they had to come to earth every time somebody read it with full concentration. In its original form it was very powerful. Soon people started using this Stotra excessively for smaller things and petty material desires. Fearing misuse of the same, one gatha (stanza) of the Stotra was abolished. Today, though short of one stanza, it still occupies the place of pride and is considered more powerful than any other prayer. The application that was created from the perspective of providing the user the convenience of reciting the Uvasaggaharam Stotra while on the move.

The inspiration behind the application, "Daily Need of Global Indian Jain who has limited access this kind of tools on the move. The user can read the Uvasaggaharam Stotra in Hindi, English & Gujrathi. At the same time the user can listen to Uvasaggaharam Stotra and depending on the language selected the paragraph is synched while the audio is being played. The user can also keep a count of how many times have they read the application as well as how many times have they heard the audio. One can download the trial version of application for the Iphone & Ipad and can also do an in app purchase. In case of people wishing to buy it in India, you can simply place an order at E-Mail : mobile@winjit.com

HIGH COURT SLAMS ASI FOR NOT PROVIDING INFORMATION

ASI came in for some sharp criticism from the High Court as it censured the government body for its "typically bureaucratic" approach in denying information to a historian and failing to post information on its website for use by academicians. Justice S Muralidhar, while hearing a petition by Professor R. Nath, pulled up the ASI for its laxity in falling in line with the Right To Information Act, which obligates every public body to upload necessary information on its website within 120 days of the transparency law coming into force. The petition was filed through RTI lawyer Girija K. Verma in 2008 but the ASI, especially its Agra circle, had failed to upload data on its website. Despite several reminders, the heritage body had failed to explain why information pertaining to the different circles of the ASI, including Agra, was not there on the website. Infuriated by the lapses, Justice Muralidhar summoned ASI Director General Gautam Sen Gupta.

NAVEEN JAIN PLANS MINING ON MOON



The founder of Bellevue-based Intelius, Naveen Jain is not content with the Earth's resources. His new company promises to build robots that can mine lunar surfaces. Naveen Jain has announced that he had formed California-based Moon Express. His co-founder is Barney Pell, a former NASA manager who now works at Microsoft as a leading architect of the search engine Bing. According to Jain the moon has not been explored. He thinks it holds resources that can benefit earth and all its subjects. He expected to find precious minerals and metals on moon that will power everything from electric car batteries to aerospace applications.

ANAESTHETIST RAJESH JAIN DIES AIR AMBULANCE CRASH

To ferry a patient from Patna anaesthetist Dr. Rajesh Jain was also part of the emergency medical team travelling back to Delhi by ill fated air ambulance which crashed over Faridabad, near Delhi on 25th May 2011. Dr. Rajesh had left home saying his family, he had no idea when he would return. Little did anyone know his family would never see him again. Jain was an anaesthetist at New Delhi's Apollo Hospital. Along with him, his colleague Syed Arshad Abbas and nurse Cyril P Joy, all part of the medical emergency services team of the Apollo Hospital, were killed in the accident. Jain is survived by his one-year-old son and his wife.

KAMLESH MUNI INSPIRES TO SETUP COMPUTER CENTRE IN HARYANA JAIL

Narnol, To celebrate Diksha Jayanti of Chauthmalji M. S. and Punya thithi of Acharya Anandrishiji M. S. Kamal Muni "Kamlesh" of Swetambar Sthanakwasi Sect inspired Haryana Jain Administration to setup Computer Centre and a Gushala within the jail premises. Muni Kamlesh presented five computer systems and eleven cows to start the project.

After hearing Muni Kamlesh all jail inmates promised with oath to restrain from further crime. S.S. Jain Sabha distributed various gifts to all the six hundred prisoners in Narnol Jail.

JAIN VISHWABHARTI CONDUCTS EXAMINATION IN JODHPUR CENTRAL JAIL

With the inspiration from Vice Chancellor of Jain Vishwabharti University Ladnun, Samni Charitra Pragyaaji of Terapanth a regular study centre has been setup in Jodhpur Central Jail. Vishwabharti has deputed regular faculty, Dr. Anand Prakaash Tripathy and Dr. Sanjeev Gupta to conduct regular classes for the prisoners. Jain Superintendent Dr. A. R. Niyaji is coordinating the teaching programmes. Besides, general education programmes prisoners are also attending Preksha Dhyana camps. The jail education programme is primarily funded by Terapanth Yuvak Parishad of Jodhpur.

WARREN BUFFETT MAY BE SUCCEEDED BY IIT GRAD. AJIT JAIN

Legendary investor Warren Buffett is full of lavish praise in his letters for Ajit Jain, an IIT Kharagpur graduate, who heads Berkshire's reinsurance business and is tipped as the one to succeed Buffet. Last year, Buffett, who speaks to Jain almost every day, wrote, "If Charlie, I and Ajit are ever in a sinking boat and you can only save one of us, swim to Ajit." He was just as fulsome in his praise this year: "From a standing start in 1985, Ajit has created an insurance business with float of \$30 billion and significant underwriting profits, a feat that no CEO of any other insurer has come close to matching. By his accomplishments, he has added a great many billions of dollars to the value of Berkshire. The Times of India managed to catch him for a rare interview — his first in India and one of the very, very few he's ever given. In the course of over an hour, Jain spoke about Buffett, Berkshire and succession; about how India's changed since he moved to the US in 1976; about the impact of the Japanese crisis on world insurance markets, and about a range of other issues. Every now and then, he would slip into Hindi. During his interview with the Indian Prime Minister, Manmohan Singh, Buffet said, If you have more like Ajit Jain, send them over to me The 10-minute interaction also brought out Buffet's faith in IITs as centres of excellence. "In 1991, I asked Bill Gates, which institution I should recruit from. He suggested IIT, and he was right," he told the Prime Minister.

RAJU JAIN GANG HELD FOR ROBBING TRAINS & HOSPITALS

Raju Jain (42-year-old) was arrested for allegedly masterminding a gang specialising in robbing patients admitted in hospitals, passengers at railway stations and bus terminals, including army officers, after offering their victims eatables and beverages laced with sedatives. Identifying the accused as Raju Jain, a resident of north Delhi's Daryaganj area, Police said Jain's gang had been responsible for at least 50 such incidents till date. According to the police, on sustained interrogation, Jain confessed to have robbed the people. He said that, he had come to Delhi about five years ago and had shortly come in contact with an old man, whom he called 'guru', who taught him the art of befriending strangers and how to offer them eatables laced with drugs before robbing them. After the death of his guru, he formed a gang and robbed people.

RAJASTHAN ADDITIONAL D. G. POLICE A. K. JAIN ABSCONDING



Jaipur: Additional Director of Police, A. K. Jain, who has been absconding since the CBI summoned him for questioning in the Dara Singh encounter case, is likely to surrender before the CBI soon. An arrest warrant had been issued against him by the special CBI court. The CBI is investigating a case of Dara Singh encounter case. Jain and Ponnuchami were called to CBI's Jaipur office. While Ponnuchami chose to be present himself before the agency and was arrested, Jain went missing. The CBI has searched his residence in Gandhi Nagar and other possible hideouts, but he could not be found. Some close relatives of the IPS officer are also under the scanner of CBI. The CBI had arrested – Nisar Khan, Naresh Sharma, Satyanarayan Gaudara and Surendra Singh Chaudhary – for allegedly killing Dara Singh in cold blood on the outskirts of Jaipur on October 23, 2006, but the agency spared seven other policemen, Rajesh Chaudhary, Zulfikar, Subhash Gaur, Arvind Bhadrwaj, Badriprasad, Jagram and Sardar Singh (driver) who were in the police team which gunned down Singh when they were available for questioning. Now, all the seven cops have been pronounced absconders by the special CBI court hearing the case.

HUSBAND AND WIFE BLACK-MAILING JAIN MUNI WITH SEX TAPES ARRESTED

A woman and her husband, who were blackmailing a Jain Muni by threatening to make public a 'sex tape' featuring him, have been arrested by the Pydhonie police. Saroj Mhatre and her husband Umesh Mhatre, who had demanded Rs. 20 lakh from Dharamguru Raiwatsuri Maharaj, resident priest of Aadeshwar Jain temple at Tambakata on Kalbadevi road, but eventually settled for Rs. 25,000, were picked up from their house after a man they had sent to collect the money was

arrested last week. Dr. Vinod Bhawarlal Kothari, a disciple of the Dharamguru, who negotiated with the Mhatres and also filed the police complaint, said the Muni confided into him after being bombarded with calls by the blackmailers.

Dr. Kothari then established contact with the Mhatres and told them that since the Muni did not have any money, they should talk to him. As the couple began negotiating with him, he first haggled the amount down to Rs. 25,000 and then asked them to collect the money at a spot near the temple. In the meantime, Kothari had filed a complaint with the Pydhone police and a trap was laid. On the appointed day and hour, a man, who was later identified as Gitesh More, arrived at the spot. He was arrested while accepting the cash, but another woman, who was watching all this sitting in a cab from a distance, managed to escape. More led the cops to the Mhatres, who were arrested from their residence on May 7. Saroj Mhatre has told the cops that her husband, who is jobless, was under heavy debt and the plan to blackmail the Muni was hatched by the two to repay the loans.

The Pydhone police, who are investigating the case where a Jain temple priest was allegedly blackmailed by three people over his affairs with women devotees, found video clips involving a man having physical relationship with a woman. However, the priest claims that he has been framed. According to police, they seized two mobile phones from the arrested three and have got a clip wherein a man is seen in an intimate position with a woman. However, it is not clear whether the person seen in the clip is the Maharaj, but forensic report will clarify everything. Police is also investigating whether the clip was made within the temple premises.

JAIN FESTIVALS

JUNE 2011 - DR. RAJENDRA MUNI, NEW DELHI



S.No.	Date	Parv	Hindi Dates
1	01.06.2011	Pakshik Parva	Jyaisthasudi - 30
2	06.06.2011	Dharamnath Moksh Kalyanak	Jyaisthasudi-05
3	13.06.2011	Suparshvanath Janm Kalyanak	Jyaisthasudi-12
4	14.06.2011	Suparshvanath Moksh Kalyanak	Jyaisthasudi - 13
5	15.06.2011	Pakshik Parva	Jyaistha sudi -15
6	22.06.2011	Vimalnath Moksh Kalyanak	Asadha sudi -7
7	25.06.2011	Neminath Diksha Kalyanak	Asadhasudi-9
8	30.06.2011	Pakshik Parva	Asadhawadi -14

DEVLOK GAMAN OF SAINTS



Sadhvi Shri Sadhna Kunwar Ji Maharaj of Shwetambar Sthanakwasi Shraman Sangh breathed her last at Kamod village in Udaipur district at the age of 80 years. The funeral procession was taken out the next day in the village in which a large number of devotees from near-by areas participated and paid their homage to the departed soul. From: "Shri Tarak Guru Jain Granthalaya, Udaipur, E-Mail: tguru1966@gmail.com

DISCLAIMER - Although AHIMSA TIMES NEWS uses its best efforts to ensure the accuracy of the content on the site, sometimes, errors, mistakes or inaccuracies may creep in inadvertently. We make no guarantees as to the accuracy, correctness or reliability of the contents. We may also change the content of this site, at any time, without prior notice. In no event shall Ahimsa Times be liable to anyone for any damages of any kind arising out of or in connection with the use of this service. You agree to indemnify and hold Ahimsa Times harmless from any and all claims, liabilities, damages, costs and expenses including lawyer's fees, arising from any use of any information from this. We also request all over readers to inform us of any inaccuracies, omissions and errors etc. noticed by them so that necessary corrections can be timely incorporated.

**WE HEARTILY WELCOME FOLLOWING NEW MEMBERS WHO HAVE JOINED
WWW.JAINSAMAJ.ORG DURING THE MONTH OF MAY 2011**

1. Dilipbhai Kothari, Swetambar, Thangadh, Gujarat, Medical
2. Subodh Kumar Shah, Swetambar, Kanpur, Uttar Pradesh, Industrialist
3. Nem Kumar Jain, Digambar, R. K. Puram, Delhi, Retired
4. Ashok Jain, Digambar, Ghaziabad, Uttar Pradesh, Engineer
5. Aditya Nanavaty, Swetambar, Malegaon, Maharashtra, Management
6. Shekhar Nanavaty, Swetambar, Malegaon, Maharashtra, Engineer
7. Bharat Kothari, Swetambar, Dombivli East, Maharashtra, Business
8. Prince Kumar Jain, Digambar, Dholpur, Rajasthan, Business
9. Pranita Koruche, Digambar, Belgaum, Karnataka, Engineer
10. Paresh Kumar Maloo, Digambar, Raipur, Chhattisgarh, Engineer
11. Dilip Kothari, Digambar, Wankaner, Gujarat, Medical
12. Anand Kumar Jain, Swetambar, Chennai, Tamilnadu, Others
13. Viral Shah, Swetambar, Surat, Gujarat, Consultancy
14. Narendra Kumar Bhandari, Swetambar, Vadodara, Gujarat, Government
15. Sunil Kumar Bardia, Swetambar, Lunkarnsar, Rajasthan, Business
16. Amit Lodha, Swetambar, Bhilwara, Rajasthan, I. T
17. Madan Lal Jain, Digambar, Puducherry, Pondicherry, Business
18. Rajesh Bothra, Swetambar, Chennai, Tamil Nadu, Finance
19. Sharad Vadalía, Swetambar, Indore, Madhya Pradesh, Business
20. Chaitra B Patil, Digambar, Laxmeshwar, Karnataka, Engineer
21. Jitendra Jain, Digambar, Ghaziabad, Uttar Pradesh, Engineer
22. Harshal Vinodchandra Shah, Swetambar, Ahmedabad, Gujarat, Service
23. Aashish Jain, Digambar, Ludhiana, Punjab, Consultancy
24. Rakesh Kothari, Swetambar, Mankachar, Assam, Business
25. Dr. Ankit Sanghvi, Swetambar, Savarkundla, Gujarat, Medical
26. Bijay Jain, Digambar, Kolkata, West Bengal, Business
27. Jethmal Mutha, Swetambar, Ugamno Vaas, Gujarat, Service
28. Sanjeev Jain, Swetambar, Chennai, Tamilnadu, Business
29. Alok Jain, Swetambar, Nai Sarak, Delhi, Business
30. Ujjwal Jain, Digambar, Folsom, California, Engineer
31. Manish Bucha, Swetambar, Ahmedabad, Gujarat, Business
32. Kamal Kumar Chhajed, Swetambar, Kota, Rajasthan, Industrialist
33. Premchand Bagrecha, Swetambar, Pune, Maharashtra, Consultancy
34. Rajesh Porwal, Swetambar, Mandsaur, Madhya Pradesh, Arts
35. Anup Manekar, Digambar, Nagpur, Maharashtra, Engineer
36. Tijesh Virchand Maru, Swetambar, Vasai, Thane, Maharashtra, Consultancy

World Jain Directory
Place request to add your
free listing in
World's largest Jain
Directory on
www.jainsamaj.org
Click here to submit
FORM

Matrimonial Candidates

This Matrimonial Service is free for all Jain candidates

Click Online Individual Profile or Visit www.jainsamaj.org 'Matrimonial Section' for details



BRIDES

1. Nidhi Jain, 34, Digamber, Indore, Madhya Pradesh, Others
2. Vibha Jain, 32, Digamber, Indore, Madhya Pradesh, Others
3. Gauri Jain, 32, Swetamber, Alwar, Rajasthan, Service
4. Sweety Jain, 24, Swetamber, Bhilwara, Rajasthan, Divorcee
5. Tripti Jain, 24, Digamber, Bhajanpura, Delhi, Arts
6. Pratik Kumar Shah, 21, Digamber, Jodhpur, Rajasthan, Engineering
7. Shilpi Jain, 25, Digamber, Haryana, Others
8. Pinky Jain, 24, Swetamber, Puna, Maharashtra, Medicine
9. Ruchika Jain, 27, Swetamber, Bikaner, Rajasthan, Others
10. Shweta Jain, 21, Digamber, Nore, Madhya Pradesh, Computer

Jainsamaj Matrimonial Database

For widest matrimonial choice
add. your profile on
www.jainsamaj.org
for Rs. 850/-for one year.
Click here to submit profile
FORM

11. Priyank Shah,25,Swetamber,Nandurbar,Maharashtra,Others
12. Rinki Jain,23,Digamber,Kolkata,West Bengal,Business



GROOMS

1. Manish Dangi,27,Swetamber,Bhilwara,Rajasthan,Business
2. Ravi Jain,26,Digamber,Dwarika,Delhi,Service
3. Pankaj Parakh,24,Swetamber,Jodhpur,Rajasthan,Service
4. Ankur Jain,27,Digamber,Yamuna Nagar,Haryana,Engineering
5. Mahendra Bhandari,26,Swetamber,Pune,Maharashtra,Computer
6. Yashesh Kothari,26,Swetamber,Wankaner,Gujarat,Others
7. Prasan Kumar Sancheti,32,Swetamber,Ahmedabad,Gujarat,Business
8. Pawan Jain,27,Swetamber,Bajna,Ratlam,Madhya Pradesh,Business
9. Dr.Yashesh Kothari,26,Swetamber,Wankaner,Gujarat,Law
10. Rahul Kumar Jain,32,Digamber,Lalitpur,Uttar Pradeh,Service
11. Arihant Kumar Jain,27,Digamber,Chattar Pur Extention,Delhi,Medicine
12. Dhiren Damor,26,Swetamber,Mumbai,Maharashtra,Arts
13. Kunal Bhandari,41,Swetamber,Vadodara,Gujarat,Business
14. Rajinder Kumar Jain,33,Digamber,Najafgarh,Delhi,Business
15. Praveen Kumar Bafna,30,Swetamber,Jodhpur,Rajasthan,Business
16. Rahul Jain,25,Swetamber,Indore,Madhya Pradesh,Medicine
17. Deepak Kothari,28,Swetamber,Mumbai,Maharashtra,Widow
18. Ashish Gulkari,37,Digamber,Akola,Maharashtra,Engineering

JAIN BUSINESS DIRECTORY -WELCOME TO NEW MEMBERS – MAY 2011

1. Adit Arts,Ansari Road,Delhi,Trading
2. Jinraj Paper Udyog,Darya Ganj,Delhi,Trading
3. Aapnaandaj,Hubli,Karnatataka,Publications
4. Siddhi Industries,Bhiwandi,Maharastra,Textiles
5. Arihant Handloom,Jasol,Rajasthan,Textiles
6. Kalpataru Ind. Agenc,Gandhidham,Gujarat,Miscellaneous
7. Rajasthan Arts,Jaipur,Rajasthan,Industry
8. Axis Holdings Pvt. Ltd.,Kekri,Rajasthan,Employment
9. MVS Export Suppliers,Chennai,Tamil Nadu,Food
10. Mahaveer Enterprises,Dhar,Madhya Pradesh,Exporters/Importers
11. K. D. Metal & Alloyes,Agra,Uttar Pradesh,Trading
12. Jain Computer Associates,Morena,Madhya Pradesh,Computers
13. M. R. Bedmutha & Co.,Nashik,Maharashtra,Consultants
14. Trade Line,Indore,Madhya Predesh,Trading
15. Jain Surgical Clinic,Pitampura,Delhi,Medical
16. A.J. Sales Corporati,Gwalior,Madhya Pradesh,Household Items
17. Manidhari Stainless,Hyderabad,Andhra Pradesh,Industry

Promote and Inter Society
Business
Jain World Business
Directory

www.jainsamaj.org

Free Business Listing only for Jain
Organizations Around The World
Click here to submit your company
profile

[ENTRY FORM](#)

Advertisement Tariff - "AHIMSA TIMES"



MAIL YOUR EMAIL ADDRESS FOR FREE COPY OF "AHIMSA TIMES" AND OTHER JAIN CIRCULARS

